NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - सबसे अधिक प्रयोग में आने वाली केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप है

(A) अंकगणितीय माध्य

(B) माध्यिका

(C) बहुलक

(D) चतुर्थक

उत्तर - (A) अंकगणितीय माध्य

प्रश्न 2 – चिह्न σ किसके लिए प्रयोग में आता है?

(A) माध्य विचलन

(B) मानक विचलन

(C) औसत विचलन

(D) पद विचलन

उत्तर - (B) मानक विचलन

प्रश्न 3 - उत्पादन का वितरण किस केन्द्रीय समस्या से संबंधित है?

(A) क्या उत्पादन किया जाए

(B) कैसे उत्पादन किया जाय

(C) किसके लिए उत्पादन किया जाए

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (C) किसके लिए उत्पादन किया जाए

प्रश्न 4 - संसाधनों में वृद्धि होती है जब उनकी

(A) भौतिक उपलब्धता बढ़ती है

(B) गुणवत्ता सुधरती है

(C) (A) और (B) दोनों

(D) न तो (A) और न ही (B)

उत्तर - (C) (A) और (B) दोनों

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 5 - उत्पादन संभावना वक्र का ढाल होता है

(A) नीचे की ओर

(B) ऊपर की ओर

(C) X-अक्ष के समानांतर

(D) Y-अक्ष के समानांतर

उत्तर - (A) नीचे की ओर

प्रश्न 6 - जब आय में परिवर्तन होता है, तो एक वस्तु की माँग

(A) बढ़ सकती है

(B) घट सकती है

(C) बढ़ सकती है या घट भी सकती है

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (C) बढ़ सकती है या घट भी सकती है

प्रश्न 7 - एक सामान्य वस्तु की माँग कीमत लोच का माप होता है

(A) सकारात्मक

(B) नकारात्मक

(C) सकारात्मक या नकारात्मक

(D) पूर्णतया लोचदार

उत्तर - (B) नकारात्मक

प्रश्न 8 - औसत स्थिर लागत वक्र होता है

(A) X-अक्ष के समानांतर

(B) Y-अक्ष के समानांतर

(C) नीचे की ओर ढलवाँ

(D) ऊपर की ओर ढलवाँ

उत्तर - (C) नीचे की ओर ढलवाँ

प्रश्न 9 - पूर्ति का सिद्धांत इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि पूर्ति में परिवर्तन केवल _____ के परिवर्तन से आता है।

(A) वस्तु की अपनी कीमत

(B) लागत

(C) अन्य वस्तुओं की कीमत

(D) इनमें से सभी

उत्तर - (A) वस्तु की अपनी कीमत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 10 - सीमांत लागत वक्र होता है

(A) U-आकार का

(B) उल्टा U-आकार का

(C) नीचे की ओर ढलवाँ

(D) ऊपर की ओर ढलवाँ

उत्तर - (A) U-आकार का

प्रश्न 11 - 'समरूप उत्पाद' किसकी विशेषता है?

(A) पूर्ण प्रतियोगिता

(B) एकाधिकार

(C) एकाधिकारिक प्रतियोगिता

(D) अल्पाधिकार

उत्तर - (A) पूर्ण प्रतियोगिता

प्रश्न 12 - एक वस्तु की माँग-आधिक्य का प्रभाव होता है

(A) कीमत बढ़ती है

(B) माँग में संकुचन होता है

(C) पूर्ति में विस्तार होता है

(D) इनमें से सभी

उत्तर - (D) इनमें से सभी

प्रश्न 13 - 'ग्रुप व्यवहार' किसकी विशेषता है?

(A) अल्पाधिकार

(B) एकाधिकारिक प्रतियोगिता

(C) पूर्ण प्रतियोगिता

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (A) अल्पाधिकार

प्रश्न 14 - राष्ट्रीय आय में शामिल होने वाला ब्याज उनकी आय है, जो _____ को ऋण देते हैं।

(A) उत्पादन इकाई

(B) व्यक्ति

(C) सरकार

(D) इनमें से सभी

उत्तर - (A) उत्पादन इकाई

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 15 - उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम के अनुसार, जैसे-जैसे आय बढ़ती है, उपभोग भी बढ़ता है लेकिन

(A) कम दर पर

(B) अधिक दर पर

(C) उसी दर पर

(D) इनमें से कोई एक

उत्तर - (A) कम दर पर

प्रश्न 16 - गुणक का मूल्य किसके समान होता है?

(A) $\frac{1}{1-\text{MPC}}$

(B) $\frac{1}{1-\text{MPS}}$

(C) $\frac{1}{\text{MPC}}$

(D) $\frac{1}{\text{MPS}-1}$

उत्तर - (A) $\frac{1}{1-\text{MPC}}$

प्रश्न 17 - मुद्रा पूर्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण माप है

(A) M_1

(B) M_2

(C) M_3

(D) M_4

उत्तर - (C) M3

प्रश्न 18 - चालू खाता जमा प्रायः कौन करते हैं?

(A) फर्म

(B) परिवार

(C) फर्म और परिवार दोनों

(D) व्यक्ति

उत्तर - (A) फर्म

प्रश्न 19 - इनमें से कौन-सा प्रत्यक्ष कर है?

(A) मूल्य-वृद्धि कर

(B) जी० एस० टी०

(C) उपहार कर

(D) बिक्री कर

उत्तर - (C) उपहार कर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 20 - सरकार के गैर-कर राजस्व का प्रमुख स्रोत है

(A) व्यापारिक राजस्व **(B) प्रशासनिक राजस्व**

(C) (A) और (B) दोनों **(D) इनमें से कोई नहीं**

उत्तर - (C) (A) और (B) दोनों

प्रश्न 21 - खाली स्थान भरिए :

(क) पारम्परिक तौर पर सूचकांक _____ में व्यक्त किया जाता है।

(ख) सूचकांक की आधार अवधि का मूल्य _____ होता है।

उत्तर –

(क) प्रतिशत

(ख) 100

प्रश्न 22 - खाली स्थान भरिए :

चतुर्थक वह माप है, जो श्रृंखला को _____ भागों में बाँटता है और इसलिए चतुर्थकों की संख्या _____ होती है।

उत्तर – चार, तीन।

प्रश्न 23 - खाली स्थान भरिए :

_____ और _____ पूर्ण सहसंबंध के मूल्य हैं।

उत्तर – +1, -1

प्रश्न 24 - खाली स्थान भरिए :

जब एक वस्तु की माँग की मात्रा में वृद्धि केवल _____ गिरने के कारण होती है, तो उस माँग को _____ कहते हैं।

उत्तर – कीमत, माँग का विस्तार।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 25 - बताइए सही है या गलत :

(क) माँग की कीमत-लोच (–) 2, माँग की कीमत-लोच (–) 1 से कम है।

(ख) जब माँग की कीमत-लोच शून्य होती है, तो यह पूर्णतया लोचदार माँग कहलाती है।

उत्तर -

(क) गलत

(ख) गलत

प्रश्न 26 - बताइए सही है या गलत :

(क) एक फर्म के अपने स्वामित्व में आफिस का किराया मूल्य स्पष्ट लागत है।

(ख) सामान्य लाभ आर्थिक लागत का भाग है।

उत्तर -

(क) गलत

(ख) सही

प्रश्न 27 - खाली स्थान भरिए :

(क) अंतर्निहित लागत को _____ लागत भी कहते हैं।

(ख) पूर्ति में संकुचन का अर्थ पूर्ति वक्र पर _____ की ओर चलना है।

उत्तर –

(क) आरोपित

(ख) नीचे

प्रश्न 28 - खाली स्थान भरिए :

प्राथमिक क्षेत्र के अतिरिक्त, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्र _____ और _____ हैं।

उत्तर - द्वितीयक और तृतीयक (सेवा)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 29 - बताइए सही है या गलत :

(क) नेपाल में भारतीय दूतावास नेपाल के घरेलू क्षेत्र का भाग है।

(ख) एक कारखाने में लगाने हेतु मशीन की खरीद मध्यवर्ती वस्तु है।

उत्तर -

(क) गलत

(ख) गलत

प्रश्न 30 - बताइए सही है या गलत :

(क) GNP राष्ट्रीय आय है।

(ख) GNP में से GDP घटाने पर विदेशों से शुद्ध कारक आय ज्ञात होती है।

उत्तर –

(क) गलत

(ख) सही

प्रश्न 31 - खाली स्थान भरिए :

राष्ट्रीय आय में शामिल करने के संदर्भ में, एक होटल द्वारा खरीदी गयी सब्जी _____ वस्तु है, लेकिन जब इसे एक परिवार खरीदता है, तो यह _____ वस्तु मानी जाती है।

उत्तर – मध्यवर्ती, अंतिम

प्रश्न 32 - खाली स्थान भरिए :

प्रयोज्य आय के दो भाग _____ तथा _____ हैं।

उत्तर – उपभोग, बचत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 33 - खाली स्थान भरिए :

(क) जब आय में परिवर्तन और निवेश में परिवर्तन एक समान हो, तो गुणांक का मूल्य _____ होगा।

(ख) अर्थव्यवस्था में माँग आधिक्य का परिणाम _____ होता है।

उत्तर –

(क) 1

(ख) मुद्रास्फीति

प्रश्न 34 - बताइए सही है या गलत :

(क) सरकार के रोजमर्रा का व्यय योजना-व्यय है।

(ख) मजदूरी का नियमन राजकोषीय उपाय है।

उत्तर –

(क) गलत

(ख) गलत

प्रश्न 35 - खाली स्थान भरिए :

केन्द्रीय सरकार के गैर-कर राजस्व के मुख्य स्रोत _____ राजस्व तथा _____ राजस्व हैं।

उत्तर – व्यापारिक, प्रशासनिक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - ब

प्रश्न 36 - रैखिक सहसंबंध और गैर-रैखिक सहसंबंध के बीच अंतर बताइए।

उत्तर –

	रैखिक सहसंबंध	गैर-रैखिक सहसंबंध
1.	जब दो चरों के मूल्यों में परिवर्तन एक 'स्थिर अनुपात' में होता है, तो उनके बीच रैखिक सहसंबंध होता है।	जब दो चरों के मूल्यों में परिवर्तन का अनुपात स्थिर नहीं रहता (बदलता रहता है), तो उसे गैर-रैखिक या वक्र-रेखीय सहसंबंध कहते हैं।
2.	इसका ग्राफ एक सीधी रेखा बनता है।	इसका ग्राफ एक वक्र बनता है।

प्रश्न 37 - दो अंकगणितीय औसतों के नाम बताइए।

उत्तर -

1. **सरल अंकगणितीय माध्य**
2. **भारित अंकगणितीय माध्य**

अथवा

बहुलक ज्ञात करने का फार्मूला बताइए।

उत्तर – $\text{बहुलक/Mode } (Z) = L_1 + \frac{f_1 - f_0}{2f_1 - f_2 - f_0} \times i$

- जहाँ L_1 = बहुलक वर्ग की निचली सीमा
- f_1 = बहुलक वर्ग की आवृत्ति
- f_0 = बहुलक वर्ग से पूर्व वर्ग की आवृत्ति
- f_2 = बहुलक वर्ग के बाद वाले वर्ग की आवृत्ति
- i = वर्गांतर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 38 - सूचकांक के निर्माण में सूचकांक के उद्देश्यों से संबंधित समस्याएँ समझाइए।

उत्तर – सूचकांक संख्या के निर्माण से पहले उसका उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। उद्देश्य के अनुसार वस्तुओं का चयन, आधार वर्ष तथा मूल्यों का निर्धारण किया जाता है। यदि उद्देश्य स्पष्ट न हो, तो निर्मित सूचकांक से भ्रामक निष्कर्ष निकल सकते हैं।

प्रश्न 39 - केवल बाज़ार माँग को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताइए।

उत्तर - बाज़ार माँग को प्रभावित करने वाले दो कारक निम्नलिखित हैं :

1. **जनसंख्या का आकार और संरचना :** यदि जनसंख्या बढ़ती है, तो बाजार माँग बढ़ती है।

2. **आय का वितरण :** यदि आय का वितरण समान है, तो सामान्य वस्तुओं की बाजार माँग अधिक होगी।

प्रश्न 40 - एक वस्तु पर होने वाले 'कुल व्यय का भाग' और इसकी कीमत माँग लोच के बीच संबंध समझाइए।

उत्तर – यदि उपभोक्ता अपनी आय का एक बहुत छोटा हिस्सा किसी वस्तु पर खर्च करता है (जैसे माचिस, नमक), तो उस वस्तु की माँग बेलोचदार (Inelastic) होती है, क्योंकि कीमत बदलने पर भी उपभोक्ता के बजट पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसके विपरीत, यदि आय का बड़ा हिस्सा खर्च होता है (जैसे कपड़े, टीवी), तो माँग लोचदार (elastic) होती है।

अथवा

प्रतिशत विधि द्वारा कीमत माँग लोच ज्ञात करने का फार्मूला बताइए।

उत्तर – कीमत मांग लोच (e_d) = $(-)\frac{\text{मांग की मात्र में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत मे प्रतिशत परिवर्तन}}$

प्रश्न 41 - निजी लागत समझाइए।

उत्तर – निजी लागत वह खर्च है जो किसी उत्पादक को किसी वस्तु या सेवा बनाने में खुद करना पड़ता है। इसमें वे पैसे भी शामिल होते हैं जो सीधे खर्च होते हैं, जैसे कच्चा माल और मजदूरी, और वे खर्च भी जो दिखते नहीं हैं, जैसे अपनी जमीन या अपना समय इस्तेमाल करना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

सामाजिक लागत समझाइए।

उत्तर - सामाजिक लागत समाज द्वारा किसी वस्तु के उत्पादन के बदले में चुकाई गई कुल लागत है। इसमें उत्पादक की निजी लागत और समाज पर पड़ने वाली बाहरी लागतें (जैसे प्रदूषण, शोर, स्वास्थ्य हानि) दोनों शामिल होती हैं।

सामाजिक लागत = निजी लागत + बाहरी लागत।

प्रश्न 42 - 'आगतों की कीमतें' पूर्ति को कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर – यदि उत्पादन के साधनों (आगतों) की कीमतें (जैसे मजदूरी, कच्चा माल) बढ़ती हैं, तो उत्पादन की लागत बढ़ जाती है। लागत बढ़ने से उत्पादक का लाभ कम हो जाता है, जिससे वह पूर्ति कम कर देता है (पूर्ति वक्र बाईं ओर खिसकता है)। इसके विपरीत, आगतों की कीमतें घटने पर पूर्ति बढ़ती है।

अथवा

'उत्पादन तकनीक' किस प्रकार पूर्ति को प्रभावित करती है?

उत्तर - उत्पादन तकनीक में सुधार (उन्नत तकनीक) से उत्पादन की लागत कम हो जाती है और उत्पादकता बढ़ जाती है। इससे उत्पादक उसी कीमत पर अधिक मात्रा बेचने को तैयार होता है, जिससे वस्तु की पूर्ति बढ़ जाती है (पूर्ति वक्र दाईं ओर खिसक जाता है)। पुरानी तकनीक से पूर्ति कम होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 43 - एक उत्पादन संभावना वक्र बनाइए। अक्षों और वक्र को स्पष्टतः चिह्नित कीजिए। एक वक्र पर कोई एक बिन्दु क्या दिखाता है?

उत्तर –

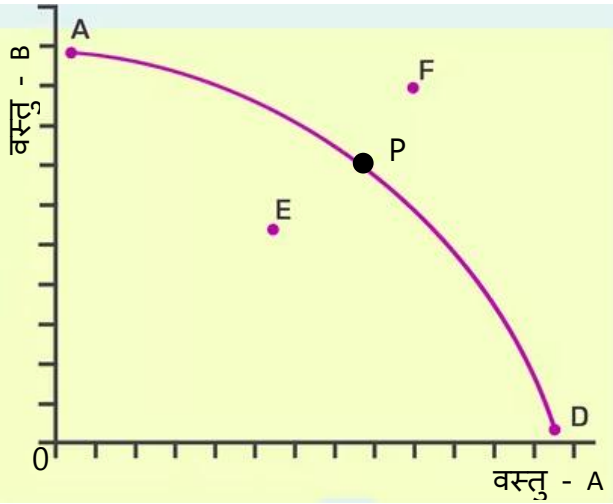

चित्र वर्णन : इसमें X-अक्ष पर 'वस्तु A' और Y-अक्ष पर 'वस्तु B' हो। वक्र मूल बिंदु की ओर नतोदर (Concave) होगा।

बिंदु का अर्थ : उत्पादन संभावना वक्र (PPC) पर स्थित कोई भी बिंदु (जैसे बिंदु P) यह दर्शाता है कि उपलब्ध संसाधनों और तकनीक का **पूर्ण और कुशल उपयोग** हो रहा है। यह संसाधनों की दी हुई मात्रा से दो वस्तुओं के अधिकतम संभावित उत्पादन संयोग को बताता है।

प्रश्न 44 - माँग की 'आड़ी' लोच की परिभाषा दीजिए। मान लीजिए एक वस्तु की, स्थानापन्न वस्तु की कीमत 4 प्रतिशत गिर जाने से, माँग 8 प्रतिशत गिर जाती है, तो माँग की 'आड़ी' लोच का परिकलन कीजिए।

उत्तर – परिभाषा : माँग की आड़ी लोच एक वस्तु (X) की माँग मात्रा में होने वाले उस प्रतिशत परिवर्तन को मापती है जो संबंधित वस्तु (Y) (स्थानापन्न या पूरक) की कीमत में परिवर्तन के कारण होता है।

गणना : आड़ी लोच $(e_d) = \frac{\text{मांग की मात्र में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत मे प्रतिशत परिवर्तन}}$

दिया है: स्थानापन्न वस्तु की कीमत में गिरावट = -4%

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वस्तु की माँग में गिरावट = -8%

$E_d = \frac{-8}{-4} = 2$

माँग की आड़ी लोच **2 (धनात्मक)** है।

प्रश्न 45 - एक फर्म ₹7 प्रति इकाई पर 70 इकाइयाँ बेचता है। जब कीमत में ₹1 की वृद्धि होती है, तो वह 80 इकाइयाँ बेचता है। पूर्ति की कीमत लोच का परिकलन कीजिए।

उत्तर -

प्रारंभिक कीमत (P) = ₹7

प्रारंभिक मात्रा (Q) = 70

नई कीमत (P_1) = ₹7 + ₹1 = ₹8

नई मात्रा (Q_1) = 80

कीमत में परिवर्तन (ΔP) = ₹1

मात्रा में परिवर्तन (ΔQ) = 80 - 70 = 10

सूत्र : $E_s = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$

$E_s = \frac{10}{1} \times \frac{7}{70}$

$E_s = 10 \times \frac{1}{10} = 1$

पूर्ति की कीमत लोच **1 (इकाई लोचदार)** है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 46 - उपभोग और निवेश के आधार पर राष्ट्रीय आय का संतुलन दिखाते हुए एक रेखाचित्र बनाइए। अक्षों तथा वक्रों को स्पष्टतः चिह्नित कीजिए।

उत्तर -

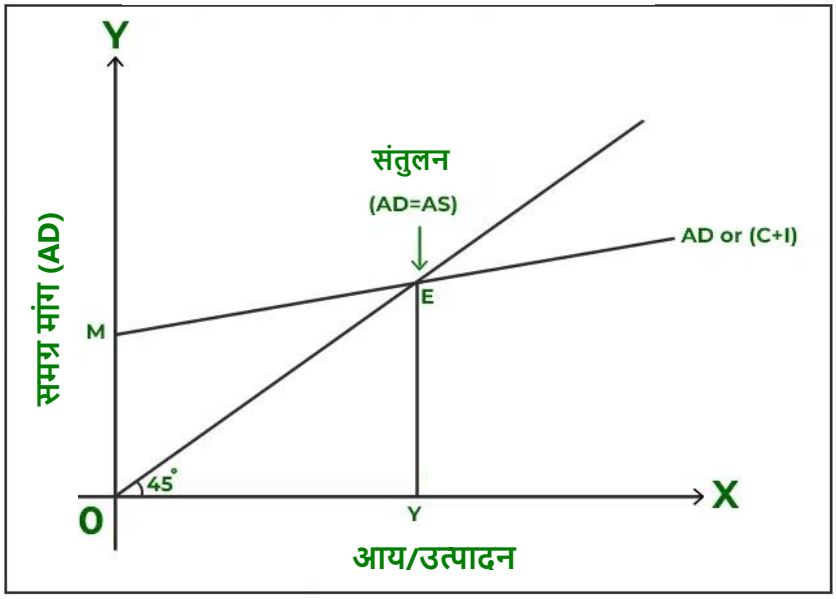

चित्र वर्णन:

- X-अक्ष पर 'आय/उत्पादन' और Y-अक्ष पर 'समग्र माँग' (C+I) दर्शाइए।
- 45-डिग्री की रेखा 'समग्र पूर्ति' (AS = Y) को दर्शाती है।
- 'C+I' रेखा (उपभोग + निवेश) Y-अक्ष के धनात्मक बिंदु से शुरू होकर ऊपर की ओर जाती है।
- जहाँ C+I रेखा 45-डिग्री रेखा को काटती है (बिंदु E), वह संतुलन बिंदु है। यहाँ कुल माँग = कुल पूर्ति है।

अथवा

यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति 0.1 हो और राष्ट्रीय आय में वृद्धि ₹100 हो, तो निवेश में वृद्धि का परिकलन कीजिए।

उत्तर – दिया है :

MPS = 0.1, आय में परिवर्तन (ΔY) = ₹100

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

गुणक (*K*) = $\frac{1}{MPS} = \frac{1}{0.1} = 10$

हम जानते हैं : ΔY = K × ΔI

100 = 10 × ΔI

ΔI = $\frac{100}{10} = 10$

निवेश में वृद्धि **₹10** होगी।

प्रश्न 47 - एक उत्पाद का 'माँग आधिक्य' दिखाते हुए एक रेखाचित्र बनाइए। अक्षों तथा वक्रों को स्पष्टतः चिह्नित कीजिए।

उत्तर –

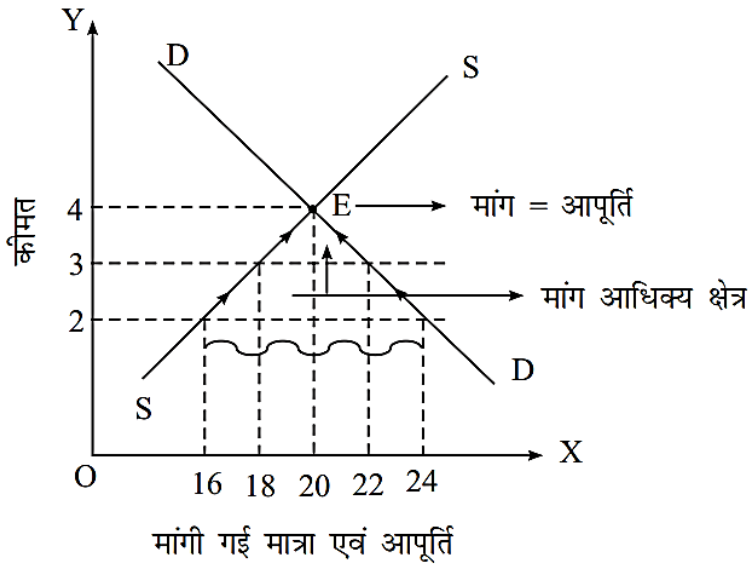

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

एक उत्पाद का 'पूर्ति-आधिक्य' दिखाते हुए एक रेखाचित्र बनाइए। अक्षों तथा वक्रों को स्पष्टतः चिह्नित कीजिए।

उत्तर –

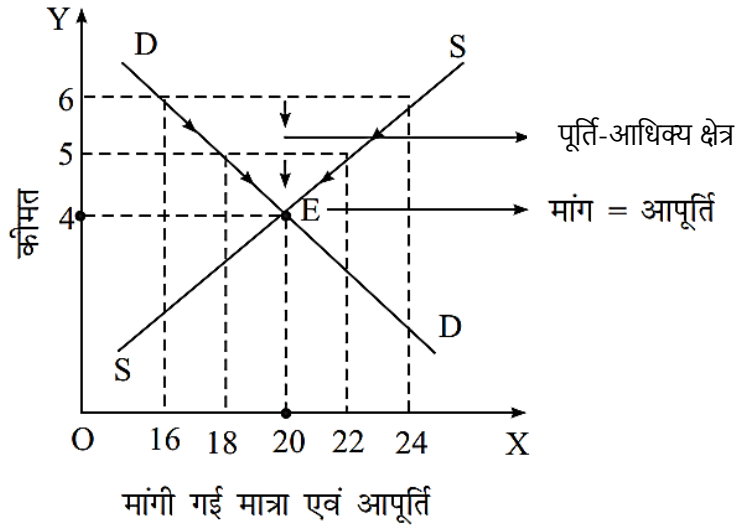

प्रश्न 48 - वस्तु-विनिमय की कठिनाई के रूप में 'माप की सर्वमान्य इकाई का अभाव' समझाइए।

उत्तर - वस्तु-विनिमय की कठिनाई के रूप में 'माप की सर्वमान्य इकाई का अभाव' :-

1. वस्तु-विनिमय प्रणाली में वस्तुओं के मूल्य को मापने के लिए कोई सामान्य या सर्वमान्य इकाई नहीं थी।

2. एक वस्तु का मूल्य दूसरी वस्तु के रूप में व्यक्त किया जाता था, जिससे तुलना कठिन हो जाती थी।

3. विभिन्न वस्तुओं के विनिमय अनुपात अलग-अलग होते थे, इसलिए उचित विनिमय तय करना कठिन था।

4. समय, स्थान और आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं का मूल्य बदलता रहता था, जिससे अस्थिरता आती थी।

5. उच्च और निम्न मूल्य की वस्तुओं के बीच उचित अनुपात तय करना संभव नहीं था, जिससे लेन-देन जटिल हो जाता था।

अथवा

सरकारी बजट के 'रोजगार के अवसर प्रदान' करने का उद्देश्य समझाइए।

उत्तर - सरकारी बजट का 'रोजगार के अवसर प्रदान करने' का उद्देश्य :-

1. सरकारी बजट का एक प्रमुख उद्देश्य देश में रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

2. सड़क, पुल, विद्यालय और अस्पताल जैसे सार्वजनिक कार्यों पर व्यय से रोजगार सृजित होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. उद्योगों और लघु उद्यमों को प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान, कर छूट और ऋण सुविधाएँ दी जाती हैं।

4. कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर व्यय से ग्रामीण रोजगार बढ़ता है।

5. रोजगार बढ़ने से आय में वृद्धि होती है और जीवन स्तर सुधरता है।

प्रश्न 49 - मजदूरों के तीन समूहों, जिनमें क्रमशः 10, 20 व 30 मजदूर हैं, की औसत आय क्रमशः ₹400, ₹300 और ₹200 है। सभी 60 मजदूरों की सामूहिक औसत आय का परिकलन कीजिए।

उत्तर –

पहला समूह = 10 मजदूर, औसत आय = ₹400

दूसरा समूह = 20 मजदूर, औसत आय = ₹300

तीसरा समूह = 30 मजदूर, औसत आय = ₹200

चरण 1 : प्रत्येक समूह की कुल आय निकालें

पहला समूह = 10 × 400 = ₹4,000

दूसरा समूह = 20 × 300 = ₹6,000

तीसरा समूह = 30 × 200 = ₹6,000

चरण 2 : सभी मजदूरों की कुल आय

कुल आय = 4,000 + 6,000 + 6,000 = ₹16,000

चरण 3 : कुल मजदूरों की संख्या

कुल मजदूर = 10 + 20 + 30 = 60

चरण 4: सामूहिक औसत आय का परिकलन

सामूहिक औसत आय = कुल आय ÷ कुल मजदूर

= 16,000 ÷ 60

= ₹266.67 (लगभग)

सभी 60 मजदूरों की सामूहिक औसत आय ₹266.67 (लगभग) है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 50 - उत्पादन विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने में आने वाली कोई तीन कठिनाइयाँ समझाइए।

उत्तर – उत्पादन विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने में आने वाली कठिनाइयाँ :-

1. दोहरी गणना की समस्या : उत्पादन विधि में दोहरी गणना से बचना आवश्यक है। मध्यवर्ती वस्तुएँ अंतिम वस्तुओं के मूल्य में पहले से शामिल होती हैं। यदि दोनों को जोड़ा जाए, तो राष्ट्रीय आय बढ़कर दिखाई देगी। इसलिए केवल अंतिम वस्तुओं या मूल्यवर्धन को ही शामिल किया जाना चाहिए।

2. स्व-उपभोग के लिए उत्पादन : कृषि क्षेत्र में किसान अपने उत्पादन का कुछ भाग स्वयं उपभोग करते हैं। यह राष्ट्रीय आय का भाग होता है, परंतु इसका सही बाजार मूल्य निर्धारित करना कठिन होता है।

3. पुरानी वस्तुओं की बिक्री : पुरानी या द्वितीयक वस्तुओं की बिक्री को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि उनका उत्पादन चालू वर्ष में नहीं हुआ होता। केवल प्राप्त कमीशन को शामिल किया जाता है।

अथवा

आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने में लिए जाने वाले चरण समझाइए।

उत्तर - आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के चरण :-

1. **उत्पादक इकाइयों की पहचान :** अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक में स्थित उत्पादक उद्यमों की पहचान की जाती है।
2. **कारक आय का वर्गीकरण :** प्रत्येक क्षेत्र द्वारा दी गई कारक आय का आकलन और वर्गीकरण किया जाता है, जैसे-

- कर्मचारियों का पारिश्रमिक (मजदूरी, वेतन, सामाजिक सुरक्षा योगदान)।
- प्रचालन अधिशेष (किराया, ब्याज, लाभ)।
- स्वरोजगार की मिश्रित आय।

3. **घरेलू आय (NDP at FC) की गणना :** सभी क्षेत्रों से प्राप्त कारक आय को जोड़कर शुद्ध घरेलू आय ज्ञात की जाती है।

NDP_{FC} = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + प्रचालन अधिशेष + मिश्रित आय

4. **राष्ट्रीय आय (NNP at FC) की गणना :** रेलू आय में विदेश से शुद्ध कारक आय (NFIA) जोड़कर राष्ट्रीय आय प्राप्त की जाती है।

घरेलू आय = NDP_{FC} + NFIA (विदेश से शुद्ध कारक आय)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success